

डीआर सीहोर

आष्टा, इछावर, श्रीरुंदा, श्यामपुर, बुढ़नी, कोठी, अमलाहा, दोराहा, अहमदपुर, जावर आद्वपद शुक्ल पक्षा प्रतिपदा- 2082 सीहोर, दिन रविवार, दिनांक 24 अगस्त 2025

न्यूज गैलरी

माध्यमिक शिक्षक

भर्ती परिणाम अट्क सीहोर। अट्क 2025 में आयोजित माध्यमिक शिक्षक घटन मध्यमिक का परिणाम अपनी तक पोर्ट ही हो पाया है।

परीक्षा को चाहे महीने से अधिक समय शीत छुका है। 20 से 29 अप्रैल के बीच परीक्षा कराई गई। लेकिन न तो लोक शिक्षण समाजसेवा की एकीकरण और न ही उनीही शिक्षक घटन (इंएसबी) ने अब तक वेबसाइट पर कोई अपडेट दिया है। इंसबी अधिकारियों के अनुसार, बचन सूची तैयार करने के लिए बहाए गए नियमों को कुछ लम्हीदारी ने हाँझोर्ट में घुनीरी दी है। बोर्ड ने इस पर कर्ता अंडर दिया है, जिसकी बदल ही परिणाम देता है।

फोटोयुक्त मतदाता सूची का पुनरीक्षण जारी

सीहोर। नवायी निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का अवधारण जारी कर दिया गया है।

पुनरीक्षण 1 जनवरी 2025 की तारीख तक निकायों की मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य चालू रखा गया। नियमों वाले इस साल तक सकारात्मक वाले लोगों को हावर्डी का बायाकरते हुए प्रवेश में महिला बायाकरता थी। यहीं सुन्दर महज एक-दो साल में ही इस स्तरात्मक हो गई। जागह-जागह गहरे गहरे मृदु छुके हैं। पैदलवाले भी बायरियों के सामने जानी नहीं पाया। नवायी यह है कि रोजाना इस साल यांग पर सकारात्मक वाले लोगों को हावर्डी का सामना करना पड़ रहा है। बोपीया यान आतक तो आए दिन गिरकर घायल हो रहे हैं।

रुपए 30 करोड़ की लागत, किर मी बदहाल

यह सरकार वर्ष 2023 में लगाया "30 करोड़ रुपए की लागत" से बाहर गई थी। करोड़ 24 विलोमीटर लंबे इस सार्वों को प्रदेश में पहली बार "एकीकरण फूल डेव्ह रिलेसेन्स" लानीकर से



तैयार किया गया था। नियमों के समय विभाग ने बहे-बड़े बायरियों के लिए एक नीति दी। इस तकनीक से बहे सरकार यांग से कर्म-से-कर्म "दस साल तक किसी तरह की दरार या गहरे नहीं होगे।" लेकिन हावर्डी कहने से उल्ट निकली।

गह्रों ने बिगाढ़ा हाल

सरकार बनने के बहुत ही महीनों बाद जगह-जगह गहरे गहरे उत्तर आय। विभाग ने विभागीय बोर्ड के पहले इन गह्रों को बनने के लिए पैदलवाले कार्यालय, लेकिन उसका भी कार्य रुक्ख हो गया। बरकात बुल गोले ही पैदलवाले उच्चार ताल या गहरे गहरे नहीं होते हैं। लेकिन हावर्डी कहने से उल्ट निकली।

लोगों में गुस्सा, उठे सवाल

गाय-गाय ने सरकार को लेकर लोगों में छापोका है। बायरियों का कहना है कि करोड़ों लापण लाई लोगों को जोड़ने वाला बड़ा मान है, लेकिन इसकी हालत देख बार लगता है ये जीवों को बद्ध कराया रास्ता हो। करोड़ों सुर्खे कहा गए, यह जाता का दिया है।

आवागमन हुआ मुश्किल, छादसे बढ़े

गह्रों की गति से सामग्री "बिगाढ़ा बान बाल" परेशानी है। बहे बड़े बायरियों को बनाने के लिए पैदलवाले कार्यालय, लेकिन उसका भी कार्य रुक्ख हो गया। बरकात बुल गोले ही पैदलवाले उच्चार ताल या गहरे गहरे नहीं होते हैं। लेकिन हावर्डी कहने से उल्ट निकली। बायरियों का कहना है कि सरकार यांग से कर्म-से-कर्म बढ़ाया हो। करोड़ों लोगों का कहना है कि उल्ट कर्म-से-कर्म बढ़ाया हो।

राय है कि आखिर "एकीकरण तकनीक" के नाम पर इसना खांच बयों किया गया, जब नीति दी। लेकिन अगर एक साल में ही सरकार दृट जाए तो यह तीव्र भावात्मक और लाप्याही का महस्ता है।

कथनारिया नियमों द्वारा नियमीकृत करना चाहता है

राय है कि आखिर करोड़ों लोगों को बदहाल बढ़ाया हो। करोड़ बार मिटरसाइकिल लेकर गिर द्युके हैं। विभाग ने लिए दिलाया किया है। वाही लोगों को जानता बाल लेकर लोगों में छापोका है। बायरियों का कहना है कि जागह-जागह गहरे हैं। करोड़ बार मिटरसाइकिल लेकर गिर द्युके हैं।

लोगों को उमीद, जरूरत ले कदम

स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार को इस नामस्ते की गरिमता के बायरियों के लागत बाल के लागत बाली लागत का लागत बाली लागत के लागत बाली में गहरे होते हैं। लोगों को जोड़ने वाला बड़ा मान है, लेकिन इसकी हालत देख बार लगता है ये जीवों को देखने की बदहाल है। बायरियों ने बोला यही है कि अपर जल्द सुपारात्मक बादम नहीं उठाए।

कृषि अधिकारी मक्कि पर पहुचे और समस्या को सुन लिया जापन

फल दीवा जम आने से गुस्सा कर रहे बल सत्याग्रह



डीआर संवाददाता» सीहोर रीहोर परकल बाला की कम सारी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है। इस नामस्ते की नामस्ते की गरिमता के बायरियों के लागत बाली में आने से गुस्सा होता है।

पानी में खड़े होकर अधिकारियों को दिया जाना की गरिमता के बायरियों की जावाही सुनी है। इसके बायरियों की जावाही सुनी है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है। इस नामस्ते की नामस्ते की गरिमता के बायरियों की जावाही सुनी है। इसके बायरियों की जावाही सुनी है। इसके बायरियों की जावाही सुनी है।

यह किसानों के साथ जन्माय

डीआर संवाददाता» सीहोर रीहोर परकल बाल बाली की कम सारी गरिमता में आने से गुस्सा होता है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है। इसके बायरियों की जावाही सुनी है। इसके बायरियों की जावाही सुनी है। इसके बायरियों की जावाही सुनी है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है। इसके बायरियों की जावाही सुनी है। इसके बायरियों की जावाही सुनी है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है।

जब बीमा की ग्रीनियम राशी मूरी जमा की जाती है, तो मिल सुक्लान होने पर मुझाया जाती है।

